अहमदाबाद से प्रकाशित पाक्षिक R.N.I. No. 54975 /1994
Published on 15th & 30th of Every Month
Permited to post on 3rd & 17th every Month at A'bad PSO under postal Reg. No.
GAMC No. 1488/2017 - 2019 - Valid 2017 up to 31-12-2019

सिन्धी बन्धु

गुजरात से सर्वप्रथम प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक पत्रिका

E-mail: sindhibandhu@yahoo.in   E-mail: sindhibandhu@gmail.com

वर्ष *23 अंक 10 * दिनांक 15-10-2017 * संपादक: स्व. हरिश बी.भागवाणी : सहसंपादक- रेशमा भागवाणी : पृष्ठ : 4 * किंमत-1.00 * फोन-22822205 मो.:9429518141

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : हरिश भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया

सिन्धी बन्धु वेबसाइट अब हुई लौंच

www.sindhibandhu.com

डिजिटल इंडिया की एक नयी पहल आप न्यूज़ पेपर ऑनलाइन और इ-पेपर (E-PAPER) के रूप में भी पढ़ सकते है.

आपको यह बताते हुए आनंद हो रहा हैं की अब से अब तजा खबरे ऑनलाइन भी पढ़ सकते हैं, वेबसाइट URL **http://www.sindhibandhu.com.** इससे अतिरिक्त अब आप न्यूज़ पेपर ऑनलाइन इ-पेपर (e-paper) के रूप में भी पढ़ सकते है. सिन्धी बन्धु न्यूज़ पेपर की यह पहल अपने ही रूप में अनोखी इसके लिए हे की आज तक सिर्फ बड़े न्यूज़ पेपर ही वेबसाइट चलते थे पर सिंधी समाज के समाचार को खास अहम नहीं मिलता था. पर अब इस वेबसाइट पे हम हर नयी सिंधी न्यूज़ को तुरंत रखने का प्रयत्न करेंगे. इससे आपसे गुजारिश हे की अगर आपके पास कोई अहम् न्यूज़ हो तो हमारे साथ **sindhibandhu@gmail.com** या **contact@sindhibandhu.com** पर भेजे हम आपकी खबर के साथ आपका नाम भी प्रकाशित करेंगे. इसके साथ हम एक और पहल जोड़ना चाहेंगे की अगर आपको न्यूज़ पेपर की कॉपी न मिल रही हो तो आप को हम **e-paper whatsapp** भी कर सकते हैं. इसके लिए आपका नाम, उम्र और पता 9429518141 ऊपर **whatsapp** करना रहेगा।

सुप्रसिद्ध सम्राट ® नमकीन
घर जैसी ही नमकीन

- सींग भुजीया
- बीकानेरी सेव
- लहसुन सेव
- रतलामी सेव
- मुंग दाल
- दालमोठ
- खट्टा-मीठा मीक्स
- गांठीया
- टमटम
- चना जोरगरम
- बुंदी - तीखी / मोली
- सेव - सादा / नायलोन
- आलुसेव
- चना दाल
- चवाना - तीखा / मोला
- आलु वेफर-सोल्टेड/मसाला
- केला वेफर- मरी / मसाला
- फरारी चेवडा-तीखा/मोला

SAMRAT NAMKEEN PRIVATE LIMITED
71-74, Phase-2, G.I.D.C., Naroda,
Ahmedabad-382 330, Gujarat, INDIA
Phone : +91 - 79 - 22823328 / 29 / 30 / 31
Fax : +91 - 79 - 22823383
email : info@samratnamkeen.com
web : www.samratnamkeen.com

कश्मीर में ऑपरेशन ऑलआउट: 18 महीने में बुरहान समेत 10 आतंकियों का सफाया

2015 में कश्मीर में हिजबुल कमांडर बुरहान वानी और उसके 10 साथियों की काफी चर्चा में रही यह तस्वीर अब इतिहास बन गई है। फोटो में दिख रहे 10 आतंकी 18 महीने में सेना के ऑपरेशन ऑलआउट में मारे गए। बुरहान ब्रिगेड का आखिरी आतंकी वसीम अहमद शाह शनिवार को पुलवामा में मारा गया। एक आतंकी तारिक पंडित ने सरेंडर किया। वह जेल में है।

1. नीसर अहमद पंडित: 7 अप्रेल 2016 को एनकाउंटर हुआ। पहले पुलिस में था।
2. वसीम मल्लाह: 17 अप्रेल 2016 को एनकाउंटर हुआ। शोपियां में तीन पुलिस वालों की हत्या में शामिल था।
3. इशफाक हमीद: 7 मई 2016 को एनकाउंटर हुआ। सम्पन्न परिवार का था। 2015 में आतंकी बना।
4. तारिक अहमद पंडित: 29 मई 2016 को सरेंडर किया।
5. बुरहान वानी: 8 जुलाई 2016 को एनकाउंटर हुआ। पढ़ाई में टॉपर, अच्छा क्रिकेटर भी था। पोस्टर ब्वॉय कहा जाता था। इसकी मौत के बाद कश्मीर में काफी बवाल हुआ।
6. आफाक उल्लाह: 28 अक्टूबर, 2016 को एनकाउंटर हुआ। 2015 में आतंकी बना। एमटेक की पढ़ाई की।
7. सद्दाम पैडर:2 फरवरी, 2017 को एनकाउंटर हुआ। बुरहान वानी का सबसे करीबी दोस्त था।
8. सब्जार अहमद भट:31 मई 2017 को एनकाउंटर हुआ। बुरहान के बाद हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर बना था।
9. आदिल खांडे: 10 सितंबर 2017 को एनकाउंटर हुआ। आतंकी बनने से पहले स्कूल बस चलाता था।
10. वसीम शाह: 14 अक्टूबर 2017 को एनकाउंटर हुआ। बुरहान ब्रिगेड का आखिरी आतंकी था।

घाटी में 275 आतंकी एक्टिव
- कश्मीर में इस वक्त करीब 275 आतंकवादी एक्टिव हैं। इनमें से 250 तो सिर्फ पीर पंजाल रेंज में हैं। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।
- सूत्रों के मुताबिक, 2017 में 291 आतंकियों ने भारत में घुसने की कोशिश की। इनमें से 80 कामयाब हो गए। इस साल 3 अक्टूबर तक सेना ने 150 टेररिस्ट ढेर किए हैं।

दिल्ली-मुंबई के बीच नई राजधानी ट्रेन; 2 घंटे बचेंगे- 800 रुपए कम किराया

अब 16 या 17 की बजाए 14 घंटे का सफर

- फिलहाल, इस रूट पर अगस्त क्रांति राजधानी और मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस चल रही हैं। अगस्त क्रांति 17 जबकि मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी 16 घंटे में यह सफर पूरा करती हैं। दोनों में से कोई भी ट्रेन बांद्रा में नहीं रुकती।

नई दिल्ली.दीपावली के पहले दिल्ली और मुंबई के बीच नई राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू हो रही है। 16 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस राजधानी में पैसेंजर्स को 2 घंटे कम लगेंगे जबकि किराया भी दूसरी राजधानी ट्रेनों के मुकाबले 600 से 800 रुपए कम होगा। यह ट्रेन दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से मुंबई के बांद्रा टर्मिनस तक जाती है। वैसे, इस रूट पर पहले ही दो राजधानी ट्रेन चल रही हैं। फिलहाल, 3 महीने और हफ्ते में 3 दिन के लिए

- रेलवे बोर्ड में ट्रैफिक मेंबर मोहम्मद जमशेद के मुताबिक- स्पेशल राजधानी शुरुआत में तीन महीने (16 अक्टूबर से 16 जनवरी) तक चलाई जा रही है। यह हफ्ते में तीन दिन ही चलेगी। ट्रैवल टाइम 2 घंटे कम होगा। इसका ट्रायल कामयाब रहा है।

- नई और स्पेशल राजधानी इस सफर को 14 घंटे में पूरा करेगी। इसके तीन स्टॉप होंगे। कोटा, वडोदरा और सूरत। जमशेद के मुताबिक- पैसेंजर्स के लिए नई राजधानी इसलिए भी खास होगी क्योंकि यह सुबह 6 बजे ही दिल्ली और मुंबई पहुंचेगी।

- इस टाइमिंग की वजह से दो फायदे होंगे। एक तो लोगों के करीब पूरा दिन कामकाज के लिए मिल सकेगा और दूसरा, सुबह पहुंचने की वजह से ट्रैफिक भी कम रहेगा।

किस दिन, कहां से? और किराया कितना?

- दिल्ली से यह बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को चलेगी। जबकि, मुंबई से मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को। ट्रेन में फ्लेक्सी फेयर सिस्टम लागू नहीं होगा। इसके टिकट पर 600 से 835 रुपए की रियासत दी जाएगी।

- मुंबई-दिल्ली के बीच फ्लैक्सी फेयर सिस्टम के तहत राजधानी के सेकंड एसी का किराया अभी 4,105 रुपए है। नई राजधानी में यह 3270 रुपए होगा।

- इसी तरह, थर्ड एसी का किराया 2925 की जगह 2325 रुपए होगा। इसमें कैटरिंग सर्विस ऑप्शनल होगी। अगर कोई पैसेंजर इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहता तो टिकट और भी कम किया जा सकता है।

नई राजधानी में कितने कोच?

- इसमें एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी और 12 थर्ड एसी होंगे। इनके अलावा एक पेंट्री और दो पावर कार होंगी। रफ्तार बढ़ाने के लिए इसमें दो इलेक्ट्रिक इंजिन लगाए जा रहे हैं। इसकी मैक्सिमम स्पीड 130 KMPH होगी।

- बता दें कि मुंबई-दिल्ली रूट रेलवे के लिए खास है। इस रूट पर ज्यादातर कारोबारी सफर करते हैं। वक्त ज्यादा लगने की वजह से ज्यादातर कारोबारी हवाई सफर को तवज्जो देते हैं।

हनीप्रीत को 23 अक्टूबर तक जेल, पुलिस ने रिकवर किया उसका मोबाइल

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की करीबी हनीप्रीत इंसां की तीन दिन की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 23 अक्टूबर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक- पुलिस ने कोर्ट में कहा कि उसने हनीप्रीत का एक मोबाइल बरामद कर लिया है लेकिन उसका लैपटॉप अब भी नहीं मिला है। हनीप्रीत के साथ सुखदीप कौर को भी ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया है। दोनों इस दौरान अंबाला जेल में रहेंगी।

- पिछले नौ दिनों में हनीप्रीत को साथ लेकर पुलिस ने बठिंडा और गुरुसर मोडिया में उसके मोबाइल और लैपटॉप को बरामद करने के लिए रेड की थी।

- एक टीम सिरसा भी भेजी गई थी। पुलिस ने शुक्रवार को अदालत में कहा कि हनीप्रीत से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। हालांकि, उसका लैपटॉप बरामद नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि रेड में बेशक लैपटॉप नहीं मिला हो लेकिन पुलिस को यहां से डॉक्युमेंट के तौर पर कुछ ऐसे प्रूफ मिले हैं, जो दंगों से जुड़े हुए हैं।

- अभी कोई भी अफसर कुछ नहीं बता रहा लेकिन जानकारी के मुताबिक मिले दस्तावेजों को दंगे, रुपए और 39 दिनों तक हनीप्रीत के गायब रहने से जुड़ा बताया जा रहा है। लैपटॉप नहीं मिलने के बाद अब हनीप्रीत इंसां ने पुलिस से कहा है कि उसने मोबाइल और लैपटॉप रोहतक जेल से सिरसा डेरे में जाने के बाद विपश्यना को दे दिया था।

- पुलिस ने शुक्रवार को विपश्यना और हनीप्रीत को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की। राम रहीम को रेप केस में दोषी करार दिए जाने के बाद हनीप्रीत बाबा गुरमीत राम रहीम के साथ पुलिस के हेलिकॉप्टर से रोहतक की सुनारिया जेल पहुंची थी। इसके बाद से हनीप्रीत इंसां गायब थी। डेरे की चेयरपर्सन विपासना इंसां ने कहा था कि हनीप्रीत इंसां 25 अगस्त की रात को उसके साथ डेरा सच्चा सौदा सिरसा आई थी। इसके बाद अगले दिन वह वहां से निकल गई। 39 दिन उसका कोई अता-पता नहीं चला। 3 अक्टूबर को हनीप्रीत को सुखदीप कौर नाम की महिला के साथ अरेस्ट किया गया था

संपादकीय

जानिए, क्या है स्टार्टअप, इसे शुरू करने वाले को क्या मिलेगी सरकारी मदद

नई दिल्ली।स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान लांच कर दिया है। साथ ही इसकी परिभाषा भी तय कर दी गई है, जिसमें 25 करोड़ रुपए तक का टर्नओवर एवं कंपनी का गठन 5 साल से ज्यादा पुराना नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा स्टार्टअप को टैक्स बेनिफिट के लिए अंतरमंत्रालयी बोर्ड से सर्टिफिकेट लेना होगा। सरकार ने नौकरी के अवसर और नए आइडिया के साथ कारोबार शुरू करने वालों के लिए 'स्टार्टअप इंडिया स्टैंडअप इंडिया' का भी नारा दिया है।

वहीं, इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का अनुमान है कि अगले 10 सालों में आईटी सेक्टर की तरह स्टार्टअप में भी बूम आएगा, जिससे 30 से 35 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध होंगे। भारत में स्टार्टअप की संख्या जिस तेजी के साथ बढ़ रही है उसको देखते हुए आने वाले 10 सालों में इनकी संख्या बढ़कर 1 लाख के करीब हो जाएगी। हम आपको यह बता रहे हैं कि स्टार्टअप क्या है और इसको शुरू करने वाले को सरकार कैसे मदद करेगी और क्या होगा फायदा।

स्टार्टअप एक नई कंपनी होती है, जिसको शुरू करने के बाद उसको डेवलप किया जाता है। आमतौर पर स्टार्टअप यानी नई कंपनी शुरू करने को कहा जाता है, जिसको कोई यूथ स्वंय या दो तीन लोगों के साथ मिलकर शुरू करता है। आमतौर पर उसको शुरू करने वाला व्यक्ति उसमें पूंजी लगाने के साथ कंपनी का संचालन भी करता है। यह कंपनी वैसे प्रोडक्ट्स या सर्विस को लांच करती है, जो कि मार्केट में उपलब्ध नहीं होता है। ऐसे प्रोडक्ट्स को लांच करने वाले यूथ अपने आइडिया लोगों के सामने प्रस्तुत करते हैं, जिसे वह अपने मेहनत के बल पर मार्केट में स्थापित भी करते हैं। इसे सरल शब्दों में हम कह सकते हैं कि स्टार्टअप आंत्रप्रेन्योर्स के लिए अपने कारोबार को एक नई कंपनी के रूप में शुरुआत करना है।

स्टार्टअप के क्या हैं नियम

किसी कंपनी को स्टार्टअप कैटगरी में आने के लिए उसके प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, पार्टनरशिप फर्म अथवा लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप फर्म के रूप में रजिस्टर्ड होना जरूरी है। इसके अलावा स्टार्टअप के लिए किसी कंपनी का गठन 5 साल से पुराना नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही कंपनी का टर्नओवर 25 करोड़ रुपए तक होना चाहिए। तभी वह कंपनी स्टार्टअप की कैटगरी में शामिल सकती है।

इसके दायरे में आने वाली सर्विस

स्टार्टअप के दायरे में वहीं कंपनी आएगी जिसका प्रोडक्ट या सर्विस नई तरह की हो, लेकिन यदि किसी प्रोडक्ट में बदलाव किया गया है तो उसका फायदा कस्टमर को मिल रहा है कि नहीं यह देखना जरूरी होगा। इसके अलावा इंडियन पेटेंड और टेड्रमार्क ऑफिस से किसी प्रोडक्ट को पेटेंट मिला हो। वहीं, अगर सरकार किस प्रोडक्ट को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक मदद दे रही हो, जिससे आम आदमी को लाभ होता हो।

स्टार्टअप को ये सुविधा देगी सरकार

स्टार्टअप के लिए जारी एक्शन प्लान में सरकार ने कई अहम घोषणाएं की हैं, जिससे स्टार्टअप को बूस्ट मिलेगा और लाखों रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

पिता की नौकरी गई तो 11 साल के बेटे ने मोदी को लिखे 28 लेटर, PMO देगा जवाब

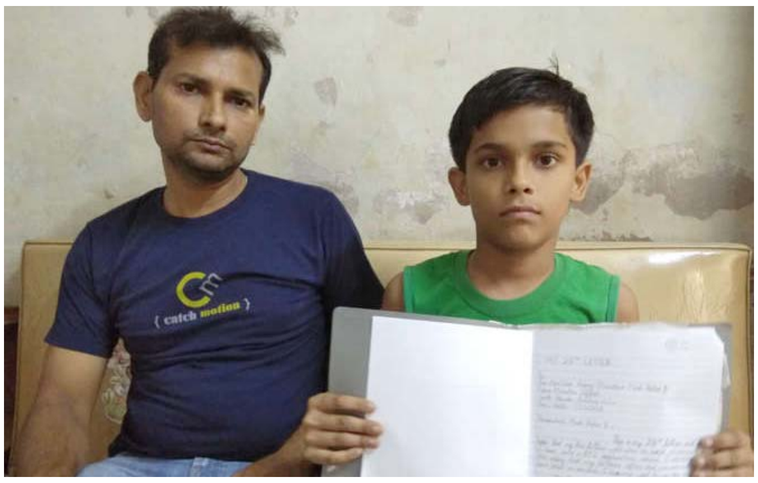

यहां रहने वाले 11 साल के एक बच्चे ने पीएमओ को एक के बाद एक 28 लेटर भेजे। कोई जवाब नहीं आया तो आरटीआई के तहत अर्जी लगा दी। अब पीएमओ से लेटर आया है, जिसमें लिखा है कि आपके सभी लेटर मिले हैं, जल्द ही जवाब भेजा जाएगा। दरअसल, 6th क्लास में पढ़ने वाले इस बच्चे के पिता को कथित तौर पर नौकरी से निकाल दिया गया, इससे उसके परिवार की माली हालत बेहद खराब हो गई है। अब यह बच्चा इस नाइंसाफी को पीएम से मिलकर उजागर करना चाहता है।

- नौबस्ता थाना इलाके के यशोदा नगर में रहने वाले सत्य विजय त्रिपाठी कानपुर में यूपी स्टॉक एक्सचेंज में डीमेट सेक्शन में जॉब करते थे।

- उनके परिवार में पत्नी शिखा, बेटा सार्थक (11) और बेटी अनिका (2) है। सत्य विजय के मुताबिक, वे स्टॉक एक्सचेंज में 2002 से जॉब कर रहे थे।

- उनका आरोप है कि 2014 में स्टॉक एक्सचेंज ने 52 लोगों से जबर्दस्ती वॉलेंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) के लेटर पर दस्तखत करवा लिए। अगले ही दिन इनमें से 23 लोगों को आधी सैलरी पर उसी पोस्ट पर अप्वॉइंट कर दिया।

- बाकी बचे लोगों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिसमें कुछ लोग शांत हो कर बैठ गए, लेकिन सत्य विजय ने लड़ाई जारी रखी। उन्होंने पीएम, सेबी के डायरेक्टर और इनकम टैक्स ऑफिसर्स तक को लेटर लिखे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

बेटे ने लिखा PM को लेटर

- पापा को परेशान देखकर बेटे सार्थक ने अपने टीचर की मदद से पीएम को लेटर लिखा। सार्थक का कहना है कि इसके बारे में उसकी परिवार में किसी को नहीं पता था।

- सार्थक ने 3 अक्टूबर 2016 को मोदी को लेटर लिखा था। जिसमें उसने पीएम से मिलने के लिए कुछ वक्त मांगा था, ताकि वह अपने परिवार और पापा की परेशानी उन्हें बता सके।

रिस्पेक्टेड बाबा जी...

- बच्चे ने लेटर में लिखा था, ''रिस्पेक्टेड बाबा जी, प्लीज सम टाइम टू मीट विथ आवर परिवार मेंबर...'' लेकिन इस लेटर का जवाब नहीं आया। बच्चे ने हिम्मत नहीं हारी वह लगातार पीएम को लेटर लिखता रहा।

- सार्थक ने बताया, ''हमने सुना है कि मोदी बाबा सबकी बात सुनते हैं। इसलिए हमने अपनी बात बताने के लिए उन्हें 28 लेटर लिख दिए।''

- ''जवाब न आने पर मैंने 5 सितम्बर 2017 को आरटीआई के माध्यम से पीएमओ से पूछा कि मेरे लेटर का क्या हुआ। जिसका जवाब 10 अक्टूबर 2017 को मिला कि आपका लेटर रिसीव किया गया है। जल्द ही जवाब दिया जाएगा।''

टारगेट पूरा न होने पर नौकरी से निकाला

- सत्य विजय ने आरोप लगाते हुए कहा, ''2013 में सेबी ने सभी रीजनल स्टॉक एक्सचेंज को बर्डन बताते हुए बंद करने को कहा था।''

- ''सभी ने लेटर लिखकर सेबी से इसे बंद न करने गुहार लगाई। इस पर सेबी ने एक शर्त रख दी कि अगर 1 करोड़ का टारगेट पूरा नहीं किया तो इसे बंद कर दिया जाएगा।''

- ''इसके बाद कानपुर के यूपी स्टॉक एक्सचेंज में जब एडमिनिस्ट्रेटर केडी गुप्ता आए तो उन पर दबाव बनाया गया कि सभी 52 कर्मचारियों से वीआरएस लिया जाए। हम लोग इसके लिए राजी नहीं थे, लेकिन कुछ ब्रोकर्स के जरिए हमें धमकी दी गई और जबरन वीआरएस ले लिया गया।''

जिन्हें रिजर्वेशन मिलता है वे खुद तय करें कि कब तक इसका फायदा लेना है: RSS

रिजर्वेशन के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जो ऑफिसर रिजर्वेशन का फायदा ले रहे हैं, उन्हें ये तय करना चाहिए कि कब तक इसका फायदा लेना चाहिए। डॉ. अंबेडकर ने एक सोशल प्रॉब्लम को सामने लाकर रिजर्वेशन का प्रॉविजन किया था। जब तक सोसायटी को इसकी जरूरत है उसे इसका फायदा मिलना चाहिए। रिजर्वेशन के चलते ऑफिसर में मतभेद नहीं होना चाहिए। भैयाजी ने ये बात भोपाल में हुई आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक होने के बाद मीडिया के सामने रखी।

- प्रमोशन में रिजर्वेशन के मामले में एमपी गवर्नमेंट सुप्रीम कोर्ट गई है। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में संघ में कोई चर्चा नहीं हुई है।

- किसानों की खुदकुशी के बारे में जोशी ने कहा कि किसानों को उनकी फसल का सही दाम नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी फसल का सही दाम तय करने और उसे खरीदने के लिए सही सिस्टम होना चाहिए।

- उन्होंने कहा कि कर्ज माफी सॉल्युशन नहीं है। किसानों को इस लायक बनाना चाहिए कि वे कर्ज चुका सकें।

कल कोई दिवाली पर दीये जलाने को भी पॉल्युशन बता देगा

- दिल्ली-एनसीआर में पटाखा बिक्री पर बैन लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भैयाजी जोशी ने कहा कि सभी पटाखे प्रदूषण फैलाने वाले होते हैं, ऐसा नहीं है। सभी लेवल पर कोशिश होना चाहिए कि एनवॉयर्नमेंट को बचाया जाए।

- पटाखों पर रोक लगाने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सभी पटाखे इस लिस्ट में आते हैं। सोसायटी में इतने सालों से दिवाली मनाई जा रही है। इसका तुलनात्मक हल निकालना चाहिए, नहीं तो कल कोई दीपावली में दीये जलने को भी पॉल्युशन की प्रॉब्लम बता देगा।

इन मुद्दों पर भी भैयाजी ने रखी संघ की राय

इकॉनोमी...सरकार जनता के सुझावों पर ध्यान दे

- देश की इकॉनोमी पर जोशी ने कहा कि बेहतर होगा कि सरकार जनता के सुझावों पर ध्यान दे। सत्ता को बेवजह सख्त नहीं होना चाहिए। मैं समझता हूं कि इकॉनोमी में सुधार से जुड़े हर मुद्दे पर पूरे देश में चर्चा की गई है। इन्हीं के आधार पर सरकार ने जीएसटी और दूसरे मुद्दों पर कदम उठाए।

राम मंदिर... दिक्कतें दूर होते ही बनाया जाएगा मंदिर

- सरकार्यवाह ने कहा कि दिक्कतें दूर होते ही अयोध्या में राम मंदिर बनना शुरू हो जाएगा। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह दिक्कतें दूर करे।

- एक सवाल के जवाब में उन्होंने लालच या डर से धर्म बदलवाने को गलत बताया। उन्होंने कहा कि आरएसएस इसका विरोध करता है।

हनीप्रीत का सूटकेस जब्त, राम रहीम की 100 से ज्यादा पर्सनल प्रॉपर्टी की डिटेल मिली

पंचकूला.साध्वियों से रेप के दोषी गुरमीत राम रहीम सिंह इंसां की 100 से ज्यादा पर्सनल पॉपर्टीज की डिटेल पुलिस के हाथ लगी है। ये सारी डिटेल ग्रे रंग के एक बड़े सूटकेस में थी, जिसे हनीप्रीत ने फरारी के दौरान पंजाब के गुरुसर मोडिया में एक जानकार के घर में छिपाया था। इसके अलावा दो बैग भी मिले हैं। इसमें भी राम रहीम के कारोबार से जुड़ी काफी जानकारियां हैं, जिन्हें पुलिस वेरिफाई करा रही है। खास बात ये है कि इनमें कुछ कंपनियों का जिक्र है और उनके ऑफिशियल्स के नाम भी हैं, लेकिन पुलिस जांच में इन लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस को शक है कि ये नाम फर्जी हो सकते हैं।

- कई फाइल्स ऐसी मिली हैं, जिनसे पता चला कि राम रहीम की देखरेख में कई कंपनियों में कारोबार किया जा रहा था। ज्यादातर ऑफिस दिल्ली में हैं। इन कंपनियों में कई डायरेक्टर हैं, लेकिन उनके नामों पर पुलिस को शक है।

- सात बड़ी कंपनियों का जिक्र, जिनमें एक रियल एस्टेट की है। दिल्ली के रोहिणी में ऑफिस है, जिसका डायरेक्टर खुद गुरमीत है। चार पार्टनर हैं।

- सजा से पहले गुरमीत ने एक कंपनी के डायरेक्टर की पोस्ट से इस्तीफा दिया था। इसमें काफी लेनदेन हुआ है।

- फिल्मों के लिए बनाई गई कंपनी में गुरमीत डायरेक्टर नहीं है।कई छोटी कंपनियां भी चलाई जा रही थीं, जिनका सीधा ताल्लुक राम रहीम से है।

- राम रहीम की प्रॉपर्टी से संबंधित बैंक डिटेल्स, उसके कुछ डेबिट और क्रेडिट कार्ड।

- पिछले कुछ महीने में रुपयों के लेनदेन का रिकॉर्ड, जो करोड़ों में है। पुलिस इसे पंचकूला हिंसा की फंडिंग से भी जोड़कर देख रही है।

गुरमीत को जेल में याद आई भगवद्गीता जेल में बंद गुरमीत ने लाइब्रेरी से भगवद् गीता इश्यू कराई है। वह सुबह 5:30 से 6 बजे के बीच उठ जाता है। दिन में कस्सी और खुरपी से क्यारियां बनाता है। योग भी करता है।

- सुबह 8:30 से 9 बजे के बीच उसे नाश्ता दिया जाता है, जिसमें दाल और 5 रोटियां होती हैं। दिन में करीब 2 घंटे आराम करता है।

- शाम 6:30 से 7:00 बजे के बाद उसे बैरक में बंद कर दिया जाता है। रात 9:00 बजे से पहले रात का खाना दिया जाता है। उसके बाद वो गीता पढ़ता है और सो जाता है।

हिसार पुलिस से मिला लैपटॉप जांच के लिए भेजा

- राम रहीम की राजदार हनीप्रीत के जिस लैपटॉप को पंचकूला पुलिस डेढ़ महीने से तलाश रही थी, वह हिसार पुलिस के पास था। इसे डेरे में सर्च ऑपरेशन के दौरान ही रिकवर कर लिया था और दूसरे सामान के साथ एक बोरे में रखा गया था। दरअसल, ये वही लैपटॉप है, जिसके बारे में हनीप्रीत कह रही थी कि उसने डेरे के ट्रस्ट की चेयरपर्सन विपासना को दिया था।

- शुक्रवार को पूछताछ के दौरान विपासना ने कहा था कि उसे इस बारे में कुछ नहीं पता। खैर, अब इसे जांच के लिए लैब भेज दिया गया है, क्योंकि पुलिस का मानना है कि इससे काफी कुछ डिलीट किया जा चुका है, जिसे रिकवर किया जाना बाकी है।

औडा क्षेत्र में आने वाले रिंग रोड पर थ्री और फोर व्हीलर पर लिया जाने वाला टोल टैक्स खत्म किया गयाः उप मुख्यमंत्री

अहमदाबाद के औडा क्षेत्र की सीमा में आने वाले सरदार पटेल रिंग रोड पर छोटे वाहनों पैसेन्जर रिक्शा और फोर व्हीलर कार पर लिया जाने वाला टोल टैक्स खत्म कर दिया गया है। इस निर्णय से अहमदाबाद शहर के पूर्व और पश्चिम के ग्राम्य क्षेत्र के हजारों नागरिकों को लाभ मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि औडा के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। रिंग रोड पर प्रतिदिन करीब ११ हजार से ज्यादा कारें और रिक्शा गुजरती हैं। इनका करीब ८ करोड़ जितना टोल टैक्स औडा द्वारा टोल टैक्स कंपनी को चुका दिया जाएगा।

शहरी विकास विभाग और औडा द्वारा लिए गए इस निर्णय से रिंग रोड से गुजरने वाले लाखों नागरिकों को समय के साथ ही पैसों की भी बचत होगी।

राज्य सरकार आठ लाख से ज्यादा अधिकारियों, कर्मचारियों और पेन्शनरों को १ प्रतिशत महंगाई भत्ते का लाभ देगीः श्री नितिनभाई पटेल

राज्य सरकार के ८ लाख से ज्यादा अधिकारियों, कर्मचारियों और पेन्शनरों को १ प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदान करने का निर्णय गुजरात सरकार ने लिया है। जिसके कारण राज्य सरकार पर २७३ करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार के अधिकारी एवं कर्मचारी और पेन्शनरों सहित कुल ८,२०,७६४ सरकारी कर्मचारियों को राज्य सरकार ने सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया है और इसके मुताबिक ही वेतन एवं पेन्शन दिए जा रहे हैं। इस पर अब १ प्रतिशत महंगाई भत्ता १ जुलाई-२०१७ से दिया जाएगा।

नोटबंदी की दुनियाभर में तारीफ, गुजरात के नतीजे बताएंगे कि लोग किसके साथ: जेटली

वॉशिंगटन. अरुण जेटली ने कहा है कि नोटबंदी और जीएसटी जैसे सुधारों को लागू करने के लिए पूरी दुनिया भारत की हिम्मत की दाद दे रही है। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे बता देंगे कि लोग किसका सपोर्ट करते हैं।

- न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में जेटली ने कहा कि जीएसटी और नोटबंदी जैसे स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स पर दुनिया में एक्सपर्ट्स ने अपनी राय दी है। इसमें भारत की इमेज एक भरोसेमंद देश की बनी है। जेटली अमेरिका में वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) की मीटिंग में हिस्सा लेने आए हैं।

- "बीते 3 सालों को देखें तो कई देशों की इकोनॉमी में गिरावट आई है। इससे तुलना करें तो भारत बेहतर स्थिति में था। इसका फायदा उठाते हुए नोटबंदी, जीएसटी जैसे सुधार किए। इसके लिए काफी हिम्मत की जरूरत थी। यहां दुनियाभर से आए लीडर्स और एक्सपर्ट्स सुधारों को लेकर भारत के हौसले की तारीफ कर रहे हैं।"

कोई भी कांग्रेस की आलोचना सुन ही नहीं रहा

- जेटली ने कहा कि हमने रिफॉर्म्स किए लेकिन कांग्रेस आलोचना कर रही है। सही बात तो ये है कि कोई भी कांग्रेस की बात पर ध्यान ही नहीं दे रहा।

- "दरअसल नोटबंदी ने एक तरह से ब्लैक मनी से चलने वाली शैडो इकोनॉमी पर चोट की। ब्लैक मनी को हटाना कभी भी कांग्रेस की प्राथमिकता में नहीं रहा। इसी को लेकर आज वे तनाव में हैं।"

- "जीएसटी पर कांग्रेस अपना रुख बदल रही है। कांग्रेस शासित सभी राज्य जीएसटी लाने की बात कहते रहे लेकिन कांग्रेस इस एकसमान टैक्स का विरोध करती रही।"

IMF ने इकोनॉमी ग्रोथ के लिए दिए थे 3 सुझाव

- IMF के एशिया-पैसिफिक डिपार्टमेंट के डिप्टी डायरेक्टर केनेथ कांग कहा, "पहली प्रायोरिटी है कि भारत कॉर्पोरेट और बैंकिंग सेक्टर को मजबूत बनाया जाना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि नॉन परफॉर्मिंग लोन को हल किया जाए और डेट रिकवरी मैकेनिज्म (कर्ज वसूलने के उपाय) को दुरुस्त किया जाए।"

- कांग के मुताबिक, "दूसरी प्रायोरिटी ये है कि भारत को रेवेन्यू में सुधार कर वितीय कोष को बढ़ाना चाहिए। साथ ही भारत को सब्सिडी में भी कटौती करनी होगी।"

- "तीसरी बात है कि भारत को इन्फ्रास्ट्रक्चर गैप पाटते हुए स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स करना चाहिए। ये भी जरूरी है कि भारत में कृषि क्षेत्र में सुधार हो और मजदूरों की कुशलता बढ़े। लेबर कानूनों को कम करना जरूरी है। फिलहाल भारत में देश और राज्य के लेवल पर 250 लेबर कानून हैं।"

2 दिन के गुजरात दौरे पर योगी, बोले- राहुल तो अमेठी तक का विकास नहीं कर पाए

सीएम योगी आदित्यनाथ के गुजरात चुनाव कैम्पेन का पहला फेज शुक्रवार से शुरू हुआ। योगी बीजेपी के स्टार कैम्पेनर हैं और बीजेपी उनकी लोकप्रियता का विधानसभा चुनाव में फायदा लेना चाहती है। गुजरात के वलसाड़ जिले में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी तो अपने चुनाव क्षेत्र अमेठी तक का विकास नहीं कर पाए। कांग्रेस ने पैसा विदेशों में भेजने का काम किया है। देश में विकास नरेंद्र मोदी की ही अगुआई में हो रहा है।

- वलसाड़ में योगी ने कहा, "अमित भाई यहां आते हैं पर राहुल गांधी इटली भाग जाते हैं। तब उन्हें गुजरात की याद नहीं आती।"

- "पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बारे में एक बात मशहूर है कि किसी भी चीज की मंजूरी के लिए वे नेहरू-गांधी परिवार की तरफ देखते थे। अगर उनकी तरफ से न हो गया तो वे भी चुप हो जाते थे।"

- "10 साल शासन के बाद भी राहुल अमेठी में कलेक्टोरेट की बिल्डिंग नहीं बना पाए। इस बात को समझ लीजिए कि राहुल जहां प्रचार करने गए वहां कांग्रेस की हार पक्की।"

- "41 साल में कांग्रेस ने सरदार पटेल को भारत रत्न देने की जहमत नहीं उठाई। जब अटल बिहारी वाजपेयी पीएम बने तो उन्होंने ये मुद्दा उठाया।"

योगी करेंगे कई जनसभाएं

- योगी इस यात्रा में कई जनसभाएं करेंगे। 13 अक्टूबर को योगी आदित्यनाथ सूरत के चोरयासी विधानसभा के सचिन क्षेत्र में जनसभा करेंगे। रात को वे सूरत सर्किट हाउस में रुकेंगे।

- 14 अक्टूबर को योगी सूरत से भुज जाएंगे। वहां पर वह गुजरात गौरव यात्रा में शामिल होंगे और जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह कच्छ पहुंचेंगे। वहां से वह देर रात दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली में रुकने के बाद सीएम रविवार को लखनऊ लौटेंगे।

गुजरात के इंडस्ट्रलियस्ट्स के साथ योगी की मीटिंग

- आदित्यनाथ गुजरात दौरे के दौरान वहां के इंडस्ट्रियलिस्ट्स और इन्वेस्टर्स से मिलेंगे और यूपी में निवेश के लिए न्योता देंगे। योगी सूरत में उत्तर भारतीय उद्योग परिसंघ के रिप्रेजेंटेटिव के साथ भी मीटिंग करेंगे।

- औद्योगिक विकास विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी आलोक सिन्हा और दूसरे अफसर तैयारी के लिए गुजरात में हैं। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना भी इसमें भाग लेंगे।

- महाना की अगुआई में कुछ दिन पहले अफसरों का एक दल गुजरात जाकर इन्वेस्टर्स को यूपी में इनवाइट कर चुका है।

4 अक्टूबर को केरल भी गए थे योगी आदित्यनाथ

- योगी 4 अक्टूबर को केरल में भी बीजेपी की जनरक्षा यात्रा में शामिल होने गए थे। केरल में ये यात्रा बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या और लगातार हमलों के विरोध में की गई थी।

- योगी बीजेपी के स्टार प्रचारक हैं और बतौर मुख्यमंत्री उनकी लोकप्रियता भी बहुत है। बीजेपी इसका फायदा आने वाले विधानसभा चुनाव में उठाना चाहती है। इसलिए जिस भी राज्य में चुनाव होने हैं, वहां उनका दौरा तय किया गया है।

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : हरिश भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया